हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 2 नवंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर निकली गई खाटू श्याम यात्रा

मण्डला। नगर में खाटू श्याम के प्रति आस्था और भक्ति का अनोखा नजारा उस समय देखने को मिला जब बड़ी संख्या में भक्तों ने खाटू श्याम की भव्य रैली निकाली। भजन व डीजे की धुनों पर झूमते हुए भक्तों ने पूरे नगर में रैली निकाली रैली को नगर में घुमाया गया उसके बाद गांधी चौक से होते हुए खाटू श्याम मंदिर पहुंची। और खाटू श्याम बाबा का आशीर्वाद लिया गया खाटू श्याम जन्मोत्सव पर भोग अर्पित किया गया इस दौरान भक्तों ने हाथों में झंडे लेकर खाटू श्याम के जयकारे लगाए और पूरे मार्ग को भक्ति रंग में रंग दिया रैली में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खाटू श्याम के झंडे लहराते हुए श्रद्धा व्यक्त कीभक्तों के उत्साह और श्रद्धा से पूरा नगर "जय श्री श्याम" के जयकारों से गूंज उठा पुलिस प्रशासन की मौजूदगी से रैली शांति और सुव्यवस्था के साथ संपन्न हुई।

पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के आडिटोरियम में आयोजित हुआ कार्यक्रम

विकसित प्रदेश ही हमारा लक्ष्य-सम्पतिया उईके

*** मनाया गया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मध्यप्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके ने कहा है कि मध्यप्रदेश आज तेजी से विकास करने वाले प्रदेशों में शामिल है। विकसित मध्यप्रदेश हमारा लक्ष्य है और सरकार ने विजन 2047 दृष्टि पत्र के माध्यम से इस संकल्प को दर्शाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार लोक कल्याण एवं देश तथा प्रदेश की प्रगति के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि मण्डला जिले में भी पर्यटन और आस्था के अनेक केंद्र हैं और हमारी सरकार इनके विकास के लिए प्रतिबद्ध है। चाहे चौगान की मढ़िया हो, अजगर दादर हो, रामनगर के ऐतिहासिक महल हो, देवगांव का पवित्र हो, घुघरी की काली माँ का प्रसिद्ध स्थल हो या अन्य धार्मिक आस्था एवं पर्यटन स्थल हों, मुख्यमंत्री डॉ. यादव इनके विकास के लिए प्रावधान कर रहे हैं। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा जिला प्रशासन के प्रोजेक्ट एग्री टोकन का भी शुभारंभ किया गया। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने इसके बारे मे बताया कि अब किसान बिना कतार में लगे हुए, निर्धारित समय पर खाद प्राप्त कर सकेंगे।

कार्यक्रम में विधायक बिछिया श्री नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि मध्य भारत, विंध्य और भोपाल को मिलाकर राज्य पुनर्गठन आयोग द्वारा जब 1956 में नया राज्य अस्तित्व में आया तो इतिहासकारों ने इसे मध्यप्रदेश नाम दिया। आज हमारे प्रदेश की स्थापना का यह 70 वां वर्ष है। प्रदेश की स्थापना दिवस पर उपस्थितजनों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि मण्डला में भी पर्यटन विकास की असीम संभावनाएं हैं इन्हें चिन्हित कर और बेहतर किया जा सकता है।

समारोह को जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय सिंह कुशराम ने संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश का यह सफर गौरवशाली रहा है। प्रदेश में जैव विविधता के क्षेत्र में बहुत ही उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कूनो अभ्यारण में विलुप्त प्रजाति के पशुओं (चीतों) को विदेशों से यहाँ लाकर फिर से बसाना कोई आसान कार्य नहीं था, किन्तु प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसे संभव किया। समारोह में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री शैलेष मिश्रा, नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष श्री अखिलेश कछवाहा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिकगण मौजूद रहे।

कार्यक्रम में महर्षि विद्या मंदिर की छात्राओं द्वारा कर्मा लोकनृत्य, कक्षा पहली की बच्ची शाम्भवी, टीम नटराज द्वारा राई लोक नृत्य, सरदार पटेल कॉलेज की छात्राओं द्वारा सैला नृत्य और पॉलीटेक्निक कॉलेज की छात्राओं द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागी नृत्य टीमों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी 5 टीमों को विधायक निधि से पाँच-पाँच हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। जिला प्रशासन की तरफ़ से भी 11-11 सौ रुपये की राशि और मोमेंटो भेंट किया गया। कार्यक्रम के पूर्व परिसर में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा लगायी गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया।

ग्राम घुटास में मेडिकल स्टोर की जांच, दीनबंधु मेडिकल स्टोर सील

*** मेडिकल दल मवई ने की कार्रवाई, नियमों के उल्लंघन पर हुई सख्ती।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शनिवार को मेडिकल दल मवई द्वारा तहसील बिछिया अंतर्गत ग्राम घुटास में औषधि दुकानों की जांच की गई। जांच के दौरान औषधि नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर दीनबंधु मेडिकल स्टोर को सील करने की कार्रवाई की गई।

अधिकारियों ने बताया कि दुकान में आवश्यक लाइसेंस संबंधी दस्तावेज एवं औषधि अभिलेखों की अनुपलब्धता पाई गई थी। निरीक्षण दल द्वारा मौके पर ही पंचनामा तैयार कर दुकान को सील किया गया।

मेडिकल विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिलेभर में औषधि दुकानों की नियमित जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वाले मेडिकल संचालकों पर आगे भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उद्यमिता जागरूकता के तहत स्वरोजगार की जानकारी

मण्डला। भारत सरकार सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम (ई.ए.पी.) का आयोजन 31 अक्टूबर को समृद्धि अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण समिति नैनपुर में किया गया। इस कार्यक्रम से 60 से अधिक महिला हितग्राहियों द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम में भारत सरकार एम.एस.एम.ई. मंत्रालय रीवा से आए श्री सुजीत घोष (सहायक निदेशक) द्वारा महिलाओं को अपने स्वरोजगार को स्थापित करने, संचालित करने एवं उत्पादित प्रोडक्ट को विक्रय करने के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया गया। साथ ही सफल उद्यमी बनने के लिए उद्यम रजिस्ट्रेशन तथा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत अपने उद्यम को संचालित करने हेतु बैंकों से ऋण प्राप्त करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में श्री एस.के. डेकाटे (जिला ग्रामोद्योग अधिकारी) जिला पंचायत मण्डला द्वारा राज्य शासन एवं विभाग द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं की जानकारी दी गई। हाथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने व्यवसाय को सुदृढ़ता से संचालित करने के संबंध में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष श्रीमती किरण भारद्वाज, अनोई उद्यमी संगठन की प्रमुख मिस ज्योति द्वारा भी महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत अपने विचार जागरूकता कार्यक्रम में रखे गये।

300 क्विंटल फल्ली दना लदा ट्रक मंडी उड़नदस्ता टीम ने पकड़ा

भुआबिछिया। संभागीय संयुक्त संचालक जबलपुर मो. शाहिद खान द्वारा जारी दिशा निर्देश के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व/भारसाधक अधिकारी श्रीमती सोनाली देव (आईएएस) एवं मंडी सचिव कन्हैया सिंह मरकाम कृषि उपज मंडी समिति बिछिया के दिशा निर्देशन में दिनांक 31 अक्टूबर 2025 की शाम को स्थानीय उड़नदस्ता दल के कर्मचारियों के द्वारा मंडी क्षेत्र स्थित ग्राम भीमडोंगरी में वाहन क्रमांक एमपी 33 एच 7786 को बिना अनुज्ञा पत्र मूंगफली दाना कुल 300 क्विंटल का राकेश ट्रेडिंग कंपनी भिंड से रायपुर के लिए अवैध परिवहन करते हुए पाए जाने पर मंडी अधिनयम 1972 की धाराओं में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वाहन को मंडी प्रांगण में लाकर खड़ा कराया गया। जब्त वाहन में मंडी शुल्क टैक्स जमा किए बिना परिवहन किए जाने की अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

"एग्री टोकन" प्रणाली से अब किसानों को मिलेगा बिना कतार के खाद

*** समय बचाओ, काम बढ़ाओ, बिना कतार के खाद पाओ - मंडला प्रशासन की अभिनव पहल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

रबी सीजन के दौरान किसानों को समय पर और सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा एक अभिनव पहल की गई है। "प्रोजेक्ट - एग्री टोकन" के माध्यम से अब किसान बिना कतार में लगे हुए, निर्धारित समय पर खाद प्राप्त कर सकेंगे।

इस नई प्रणाली से विपणन संघ के गोदामों, सहकारी समितियों एवं निजी विक्रय केंद्रों के माध्यम से खाद वितरण में पारदर्शिता और व्यवस्था सुनिश्चित होगी। यह पहल किसानों को लंबी कतारों और अव्यवस्था से मुक्ति दिलाएगी।

मुख्य उद्देश्य

उर्वरक वितरण प्रणाली में सुधार एवं पारदर्शिता लाना। किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराना। वितरण केंद्रों पर भीड़ को नियंत्रित करना। किसानों के समय और संसाधनों की बचत करना। खाद की कालाबाज़ारी पर नियंत्रण रखना।

टोकन प्रणाली की प्रक्रिया

किसान टोल फ्री नंबर 07642-181 पर कॉल करके आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएँगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार कंट्रोल रूम द्वारा किसानों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एग्री टोकन नंबर और वितरण का दिन एवं समय एसएमएस के माध्यम से भेजा जाएगा। किसान निर्धारित दिन और समय पर अपने वितरण केंद्र पर पहुँचकर बिना किसी भीड़ के खाद प्राप्त कर सकेंगे।

विपणन संघ वितरण केंद्र नैनपुर,विपणन संघ वितरण केंद्र मंडला,विपणन संघ वितरण केंद्र बिछिया,विपणन संघ वितरण केंद्र निवास में इसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जा रहा है।

किसानों को किससे क्या होगा लाभ

लंबी कतारों से मुक्ति, समय की बचत, पारदर्शी एवं नियंत्रित खाद वितरण, कालाबाज़ारी पर रोक, कृषि कार्यों में सुविधा और समयबद्धता। जिला प्रशासन मंडला द्वारा आरंभ किया गया "एग्री टोकन प्रोजेक्ट" जिले के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो खाद वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सशक्त बनाएगा।

बे मौसम बारिश के बाद, मैदान खड़े हार्वेस्टर मशीनें मौसम के साफ होने का इंतजार कर रही हैं

भुआबिछिया। दीपावली के बाद क्षेत्र में धान की कटाई शुरू कर गाहनी करने आए कटाई के लिए हार्मोंस्टर मशीनें विगत एक सप्ताह से बे मौसम बारिश होने के कारण नगर की एक होटल के सामने और मैदान में खड़े कर दिए गए और वर्षा के बंद होने खेतों में भरे पानी के सूखने का इंतजार कर रहे है की जैसे ही मौसम बदलेगा खेत सूखेंगे तो शीघ्र ही कटाई गाह नी प्रारंभ कर दी जाएगी एक हार्वेस्टर वाले चालक ने बताया छत्तीसगढ़ में भी मौसम खराब होने के कारण वहां भी नहीं जा पा रहे हैं इस कारण यही मौसम के साफ होने का इंतजार कर रहे और मौसम है कि रोज कहीं बन रहा है कहीं बिगड़ रहा है कहीं पानी गिर रहा है तो कहीं बादल छाए हैं तो कहीं धूप निकली है, मौसम की बेरुखी रवैये के कारण किसान बहुत परेशान है।

खुले आसमान के नीचे पेड़ तले चल रहा स्कूल

*** डीपीसी का सराहनीय कदम, तत्काल पहुंचे बुजबुजिया स्कूल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रदेश सरकार जहां एक ओर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के लिए निरंतर नई-नई योजनाएं लागू कर रही है और शिक्षा सुधार के लिए पर्याप्त बजट आवंटन कर रही है, वहीं विभागीय लापरवाही के चलते ग्रामीण अंचलों में बच्चे अब भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। ऐसा ही एक मामला मण्डला जिले के विकासखंड मण्डला अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलपुरा के पोषक गांव बुजबुजिया का सामने आया है, जहां प्राथमिक शाला आज भी स्थाई भवन के अभाव में टेंट लगाकर स्कूल का संचालन किया जा रहा है।

12 साल से लंबित भवन निर्माण, पंचायत और विभाग की लापरवाही उजागर

जानकारी के अनुसार, लगभग 12-14 वर्ष पूर्व विद्यालय भवन के जर्जर होने पर यहां अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु राशि स्वीकृत की गई थी। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा ग्राम पंचायत को निर्माण एजेंसी बनाकर स्वीकृत राशि की आधी राशि पंचायत के खाते में जमा की गई थी। लेकिन पंचायत की लापरवाही और विभागीय उदासीनता के चलते आज तक भवन निर्माण नहीं हो सका।

दो वर्ष पूर्व जब यह मामला मीडिया में उजागर हुआ, तब विभाग ने जांच शुरू की, किंतु जांच के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

कभी पेड़ के नीचे, कभी घर में, कभी आंगनवाड़ी में चला स्कूल

लगभग एक वर्ष पूर्व विद्यालय खुले आसमान तले पेड़ के नीचे संचालित किया जा रहा था। मीडिया में मामला उठने के बाद विभाग ने अस्थायी रूप से विद्यालय को एक निजी घर में संचालित कराया, किंतु वहां उपयुक्त व्यवस्था न होने से बाद में इसे आंगनवाड़ी केंद्र में चलाने का निर्देश दिया गया। लेकिन आंगनवाड़ी में एक ही कक्ष होने से वहां आंगनवाड़ी और स्कूल दोनों का संचालन बाधित होने लगा। मजबूरी में पंचायत और ग्रामवासियों ने मिलकर पुराने स्कूल परिसर के पास टेंट लगाक बच्चों की पढ़ाई फिर से शुरू करवाई।

डीपीसी कुलदीप कठल का त्वरित निरीक्षण, समाधान का आश्वासन

पूर्व डीपीसी अरविंद विश्वकर्मा ने इस समस्या के दो माह में समाधान का आश्वासन दिया था, किंतु एक वर्ष बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी रही।

अब इस विषय की जानकारी मिलते ही नवनियुक्त डीपीसी कुलदीप कठल ने तत्काल बुजबुजिया स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने मीडिया और विद्यालय प्रबंधन को आश्वस्त किया कि "यह समस्या मेरी पहली प्राथमिकता है। जल्द ही कलेक्टर महोदय से चर्चा कर स्थायी समाधान निकाला जाएगा।"

ग्रामीणों ने भी डीपीसी के इस त्वरित कदम का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि अब बच्चों को शीघ्र ही सुरक्षित और स्थायी भवन में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

इनका कहना है :-

ग्राम पंचायत सिलपुरा में स्कूल भवन निर्माण के लिए वे सरपंच बनने के बाद से निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने डीपीसी, कलेक्टर, विधायक एवं सांसद को पत्र लिखकर भवन निर्माण की मांग की, परंतु अब तक स्वीकृति नहीं मिल सकी। बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रामवासियों के सहयोग से टेंट लगाकर अस्थायी रूप से विद्यालय संचालित किया जा रहा है।

-नरेश मार्को, सरपंच, ग्राम पंचायत, सिलपुरा, मण्डला

जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया गया, स्कूल बुजबुजिया से जानकारी प्राप्त की गयी कि गांव में स्कूल संचालन हेतु उपयुक्त स्थान न मिलने की समस्या बनी हुई है। इस मुद्दे को जल्द ही माननीय कलेक्टर एवं माननीय सीईओ जिला पंचायत से चर्चा कर निर्माण समिति की बैठक में समस्या रखकर स्थायी समाधान निकाला जाएगा।

-कुलदीप कठल, डीपीसी, मण्डला

लोकार्पण | ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल के नार्थ विंग भवन का लोकार्पण

साउथ विंग भवन के लिए 20 लाख रुपए की स्वीकृति

*** केबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके ने की घाषणा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल के नार्थ विंग भवन का लोकार्पण शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्रीमती सम्पतिया उइके द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, श्री प्रफुल्ल मिश्रा, कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा, एसपी श्री रजत सकलेचा, ज्ञानदीप स्कूल संचालन समिति के सचिव श्री संजय तिवारी, प्राचार्य सहित अन्य अधिकारी, शिक्षकगण और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंत्री श्रीमती उइके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञानदीप विद्यालय के इस नए नार्थ विंग भवन का निर्माण कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के विशेष प्रयासों से संभव हुआ। उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन और प्रबंधन के समन्वय से ही शिक्षा के क्षेत्र में यह उल्लेखनीय कार्य हुआ है।

विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों की प्रशंसा की और कहा यह विद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्था नहीं, बल्कि जिले की पहचान बन चुका है। यहाँ के विद्यार्थी लगातार जिले का नाम रौशन कर रहे हैं। यहाँ से पढ़ाई करने के बाद कई विद्यार्थी विदेशों में हैं।

मंत्री श्रीमती उइके ने बताया कि ज्ञानदीप विद्यालय की स्थापना वर्ष 1983 में तत्कालीन कलेक्टर श्री एम.एम. दाहिमा के प्रयासों से हुई थी। उन्होंने कहा कि 43 वर्षों की इस यात्रा में इस विद्यालय के अनेक विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में जिले का नाम ऊँचा कर रहे हैं।

मंत्री ने की 20 लाख रुपये देने की घोषणा

विद्यालय के नार्थ विंग के सम्मुख स्थित भवन के लिए मंत्री श्रीमती उइके ने 20 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि शासन आपको हर सुविधा उपलब्ध करा रहा है। अब आपकी जिम्मेदारी है कि मेहनत करें और प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर मंडला का गौरव बढ़ाएँ।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री संजय कुशराम ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि तत्कालीन कलेक्टर श्री दाहिमा ने अपने कार्यकाल में इस स्कूल भवन की नीव रखी। इसके बाद वर्तमान कलेक्टर श्री मिश्रा के प्रयासों से जिले को शिक्षा का एक उत्कृष्ट भवन प्राप्त हुआ है। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा वे अच्छे से पढ़ाई करें और अपने जिले का नाम रौशन करें।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

विद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। रंगारंग कार्यक्रमों ने अतिथियों और अभिभावकों का मन जीत लिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया।

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा स्कूल के स्थापना वर्ष से जुड़ी शिक्षिका श्रीमती तापोशी सिंह को उनकी सेवानिवृत्त होने पर सम्मानित किया गया। साथ ही मेधावी विद्यार्थियों उर्वशी पटेल, सृष्टि मिश्रा, गुंजन हरदाहा, दीक्षा थापक, अभीर शर्मा, अदिति रावत, प्रशांत मरावी, श्रेयांशिका हरदाहा, प्रखर त्रिपाठी को भी सम्मानित किया गया।

खबर संक्षेप

रेलवे गेट की पटरियों के बीच डम्फर को खड़ा कर गायब हुआ चालक, लगा जाम

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समीपस्थ एनटीपीसी से राख की परिवहन करने सहित गोटीटोरिया कोयला खदान से कोयला ढ़ोने वाली भारी भरकम डम्फरों के तांडव से संपूर्ण क्षेत्र के लोग परेशान होने के साथ साथ अब अपने आप आप को असुरक्षित महसूस करने से नही चूक रहे है..? क्योंकि इन डम्फरों में जिस तरह से ओवर लोडिंग राख व कोयला डस्ट का परिवहन किये जाने के कारण जहां क्षेत्र का महौद प्रदूषित होने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर शहर के मुख्य मार्गो के किनारे खड़े रहने के चलते आये दिन दुर्घटनाये घटित होने से नही चूक पा रही है। हालल यह बन रही है कि शहर के आसपास के मार्गो व ढ़ाबों के दोनों किनारो पर जिस तरह डम्फर चालको द्वारा अपने भारी भरकम डम्फरों को खड़ा किया जाता है उसके चलते आये दिन जाम की स्थिति बनते हुये देखी जाती है। वही दूसरी इनकी बेलगाम गति के चलते सड़क दुर्घटनों के चलते अनेक परिवारों के दीपक बुझते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे है..? वही दूसरी क्षेत्र के आये दिन अनेक प्रकार के अपराधों का जन्म होना भी अब आम बात होती चली जा रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस गाडरवारा से चीचली की ओर जाने वाले मार्ग के रेलवे स्टेशन के समीप गेट पर उस समय देखने मिली जब एक भारी भरकम डम्फर ट्राला के चालक द्वारा अपने डम्फर को गेट के बीचों बीच ले जाते हुये पटरियों के बीच खड़ा करते हुये मौके से गायब हो गया। इस तरह गेट के बीचों बीच पटरियों पर खड़े हुये डम्फर के चलते जहां दोनों ओर वाहनों की लम्बी लाईन लगी हुये देखने मिली तो दूसरी ओर कुछ ट्रेनों के प्रभावित होने की भी चर्चाये सुनने मिल रही है..?

सालीचौका मढ़ई मेले में आकर्षण का केन्द्र रहा अहीर नृत्य

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। निश्चित तौर से दीवाली संपन्न होने के बाद गांव गांव लगने वाले मढ़ई मेलों का सिर्फ बच्चे ही नही बल्कि युवा भी इंतजार करते हुये देखे जाते है तो दूसरी ओर जिस गांव में मढ़ई मेले का आयोजन होता है तो वहां के लोग इस दिन अपने नाते रिस्तेदारों को इन मढ़ई मेलों के शुभ अवसरों पर आमंत्रण देने से भी नही चूकते है। इसी के चलते हर वर्ष यह मढ़ई मेले आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये शनिवार यानि की देव उठनी एकादशी के पावन अवसर पर स्थानीय हाई स्कूल ग्राउंड में लगा हुआ मढ़ई मेला निश्चित तौर से नगर के साथ साथ संपूर्ण क्षेत्रवासियों के लिये आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूक पाया। बताया जाता है कि पारंपरिक इस मढ़ई मेले का आयोजन नगर व्यापारी वर्ग व अन्य लोगों के तत्वाधान में किया जाता है जिसका शुभारंभ परंपरागत तोर पर कांगो माता की पूजन गणमान्य लोगों द्वारा करते हुये किया गया। वही इस मढ़ई मेले की तैयारियों को लेकर नगर परिषद द्वारा साफ सफाई से लेकर लाईट सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाये मुहैया कराई गई। वही देखने मिला कि संपूर्ण क्षेत्र में चर्चित हो चुके इस मढ़ई मेले में क्षेत्र के आलवा अन्य दूसरे जिले के दुकानदारों के पहुंचने से जब जगह का आभाव पैदा हुआ तो नगर के कुछ समाजसेवी लोगों द्वारा अपने खाली पड़े हुये प्लाट पर जगह उपलब्ध कराते हुये सहयोग प्रदान किया गया। इस तरह मढ़ई मेले में दूर दूर से दुकानदारों ने पहुंचकर जहां अपनी दुकाने लगाई तो दूसरी ओर बच्चों के लिये विभिन्न प्रकार के झूले, चकरी व मनोरंज के साधन मौजूद रहने से उनके चेहरों पर खुशी देखने मिली। वही बताया जाता है कि इस मढ़ई मेले में नरसिंहपुर जिले के आलवा पडौसी होशंगाबाद, छिंदवाडा सहित रायसेन, सागर सहित अन्य जगहों के व्यापारियों ने पहुंचकर अपनी दुकाने लगाते हुये इस मढ़ई मेले की सुन्दरता पर चार चांद लगाये। वही शाम के समय नृत्य करते हुये मोर पंख युक्त ढालों के साथ ढोल ढमाकों के बीच नृत्य करते हुये अहीरों ने निश्चित ही सबका मन मोह लिया था।

महिलाओं ने घर के आंगनों में मंडप सजाकर किया तुलसी व सालिगरामजी का विवाह, मंगलगीतों के गूंजे स्वर लहरों से धर्ममय हुआ पूरा क्षेत्र, मांगलिक कार्यो का शुभारंभ होने से अब दिखाई देने लगेगी बाजारों में नई रौनक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष एकादशी यानि की देव उठनी ग्यारस पर शहर में शनिवार को एक बार फिर धर्म गंगा प्रवाहित हो गई जिसके चलते सुबह से ही नगर के हृदय स्थल झंडाचौक, पानी की टंकी के पास तथा नगर के शुक्रवारा बाजार, पलोटन गंज, स्टेशन क्षेत्र में जहां अनेक प्रकार की दुकाने सजी हुई दिखाई पड़ रही थी जिसमें ग्यारस के मौके पर पूजन में उपयोगी गन्नों व अन्य पूजन सामग्री की दुकाने सजी हुई थी और नगर का महौल अनोखा दिखाई देने से नही चूक रहा था। इस तरह नगर में जहां तहां लगी हुई इन दुकानों पर दोपहर तक भीड़भाड़ का कम ही आलम दिखाई पड़ रहा था। मगर मौसम साफ होने के चलते चार बजे के बाद तो मानों बाजार में इस तरह से भीड़ उमड़ चुकी थी और लोग गन्ना सहित पूजन सामग्री खरीदने में बे भूल होकर आनंदित होते हुये नजर आ रह थें। इस तरह दीवाली की बिदाई माने जाने वाले ग्यारस के पावन अवसर पर गांवों से गन्ना विक्रय करने के लिये आये हुये लोगों के चेहरों पर इस बात की खुशी देखने मिल रही थी। वही दूसरी ओर दुकानदार भी अपनी सामग्री बेचते हुये नजर आ रहे थें और पांच गन्नों का जोड़ा 100 रूपया से लेकर 150 रूपया तक विक्रय होते हुये देखा गया। क्योंकि पूजन के दौरान घर के आंगन में गन्ना से मंडप बनाते हुये माता तुलसी व भगवान शालिग रामजी के पूजन करने का महत्व माना जाता है। वही दूसरी महिलाएं द्वारा देव उठनी ग्यारस के पावन अवसर पर भगवान विष्णु का त्यौहार व्रत रख हिन्दू धर्म के रीति रिवाजों के अनुसार मनाने उत्साहित थी तथा उनकी ओर से अपने घरों के आंगनों को सुबह के वक्त रंगोली से सजाने के बाद शाम के बेला में गन्ने व फूल मालाओं से सुसज्जित मंडपों को आकर्षक स्वरूप देने और माता तुलसीजी तथा भगवान शालिगराम की पूजा अर्चना करने की तैयारियाँ बड़े ही जोर शोर से की गई। वही शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में शाम होते ही फिर एक बार दिवाली की तरह नजारा दिखाई देने से नही चूक पाया था। बताया जाता है देव उठनी ग्यारस के अवसर पर शाम को अत्यंत शुभ मुहुर्त में शहर के मंदिरों में भगवान के भक्तों ने बेर, भाजी, आंवला से उठो देव सांवला कहते हुए चार माह से निद्रा में लीन भगवान विष्णु को जगाया गया। इस मौके पर भगवान के मंदिरों में विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। वही देव उठनी ग्यारस की शुभ बेला में लोगों द्वारा अपने घरों में धार्मिक परम्पराओं का निर्वाह करते हुए विधि विधान से भगवान श्री विष्णु जी की पूजन की तथा गन्नें के सजे हुए मंडपों में विराजे भगवान सालिगराम की पूजनोंपरांत मंगलगीत गाकर उनका विवाह रचाया तथा माता तुलसी को सुहाग सामग्री और भगवान सालिगराम को वस्त्र, सजावट का सामान अर्पित कर उन्हें मिठाई, ऋतुफल का भोग लगा अपने परिवारजनों की सुख, समृद्वि, शांति का आशीष मांगा गया। इस प्रकार से देव उठनी ग्यारस से शादियों और अन्य मांगलिक कार्यो पर ब्रेक हटने के बाद हिन्दू धर्मावलंबियों के चेहरों पर चमक दिखाई देना शुरू हो गया है। वही दूसरी ओर बाजार में व्यापारी भी शुभ कार्यो की शुरूआत होने के चलते खुश नजर आ रहे है उनका कहना है कि आने वाले चंद दिनों बाद बाजार में मंदी के बादल छंटने की शुरूआत हो जाएगी और बाजार में धन वर्षा होने लगेगी। उल्लेखनीय है कि इस साल देव उठनी ग्यारस पर गन्ने, मिठाईयों, फलो तथा पूजन सामग्री की कीमत में उछाल देखने मिला है। वही दूसरी ओर इस प्रमुख त्यौहार के दौरान क्षेत्र के किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे दिखाई पड़ने से नही चूक पा रही थी। क्योंकि आसमान पर छाये हुये बादल और किसानों के खेतों में खड़ी हुई धान सहित अन्य फसलों की कटाई तथा चना मसूर, गेंहू की बोनी को लेकर अन्नदाता चिंता में नजर आने से नही चूक रहा है। वही लगातार बढ़ रही महंगाई का हाल यह बन चुका है कि वह जितनी लागत अपने खेतों में फसल तैयार करने में लगा रहे है वह खड़ी हो पाना मुश्किल हो चुका है। यदि किसानों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बाजार में हर प्रकार की सामग्री के दामों में इजाफा होते हुये देखा जा रहा है।

मगर किसानों द्वारा रात दिन एक करके तैयार की जाने वाली फसलों के दाम जहां के तहत रहने के कारण किसान लगातार दिक्कतों का सामना करते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस समय क्षेत्र का किसान अपने खेतों में बोनी करने की तैयारियों में जुटा हुआ है। मगर उन्हें जरूरत के हिसाब से खाद नही मिलने के कारण वह अपने सभी प्रकार के काम व त्यौहार का आनंद छोड़कर दिन दिन भर खाद लेने के लिये लम्बी लाईनों में लगा हुआ देखा जा रहा है।

नांदनेर में विकास कार्यो को लोकार्पण सहित भूमि पूजन, सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारत का एकीकरण कर देश का दुनिया में गौरव व मान बढ़ाया है- मंत्री सिंह

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

क्षेत्र को विकास की ओर ले जाने वाले क्षेत्र के विधायक व प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि देश के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल की हम 150 वीं जयंती मना रहे हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने रियासतों का एकीकरण कर हमारे देश का दुनिया में मान व गौरव बढ़ाया है। भारत देश उनके संकल्पों को हमेशा पूरा करते हुए लगातार आगे बढ़े। यही हम सभी नागरिकों को संकल्प लेना होगा। मंत्री उदय प्रताप सिंह शुक्रवार को ज जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नांदनेर में खेल मैदान का भूमिपूजन और ग्राम पंचायत भवन के लोकार्पण के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मंत्री सिंह ने आयोजित कार्यक्रम में मां सरस्वती जी व महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक नरेश पाठक व श्रीमती साधना स्थापक, जिला पंचायत सदस्य डा. योगेश कौरव, पूर्व जनपद अध्यक्ष मुकेश मरैया, गाडरवारा भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा,सांईखेड़ा मंडल दिग्विजय सिंह राजपूत, राजेश पटेल, सुरेश मामोलिया, नरेन्द्र कौरव, राजेश माहेश्वरी, मोहरकांत गुर्जर, भाजपा पिछडा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष राव संदीप सिंह, कीरत गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हाई स्कूल नांदनेर में हाई टैक लैब बनने से छात्र-छात्राएं विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगी, जिससे हमारे क्षेत्र व जिले का नाम रौशन होगा। ग्राम पंचायत नांदनेर में नागरिकों के पेयजल के लिए नल- जल योजना संचालित की गई है। ग्राम खुरसीपार और नांदनेर तक उत्कृष्ट सड़क मार्ग का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ होगा। मंत्री सिंह ने ग्राम पंचायत नांदनेर में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख रुपये, स्कूल से शांतिधाम तक सड़क मार्ग के लिए 10 लाख रुपये तथा चौधरी मोहल्ला में सार्वजनिक कार्य हेतु दो लाख रुपये देने की घोषणा की। वही कहा कि विकास के क्षेत्र में नांदनेर गांव आगे बढ़े, इसके लिए हर संभव मदद की जाएगी। इस दौरान उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति से प्रदेश में सभी छात्र- छात्राएं उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनेंगे। मंत्री सिंह ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश विश्व का प्रतिनिधित्व कर रहा है। भारत देश अब सबल व सक्षम देश बन चुका है। भारत देश में स्पेस, मिसाईल, मोबाइल, गाड़ियों सहित अन्य प्रकार की सामग्री का निर्माण किया जा रहा है। इस प्रकार से हमारा देश आत्मनिर्भर की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। भारत देश में विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता रही है। भारत देश में हम अपने विचारों को विभिन्न मंचों के माध्यम से व्यक्त कर सकते हैं।

नर्मदा पुराण के तीसरे दिवस कथा वाचक शास्त्री ने सुनाया मां नर्मदा के उदगम का वर्णन, कान्हरगांवासी लगा रहे धर्म के गोते

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जब किसी गांव में कोई धार्मिक आयोजन होता है तो वहां पर पूरा महौल धर्ममय होने से नही चूक पाता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव के साई धाम मंदिर समिति द्वारा आयोजित कराये जा रहे सात दिवासी माँ नर्मदा पुराण के आयोजन के चलते देखने मिल रहा है। इस तरह चल रहे नर्मदा पुराण के धार्मिक आयोजन के तीसरे दिवस कथा व्यास पंडित वीरेन्द्र शास्त्री महाराज नें माँ नर्मदा जी के उदगम का वर्णन सुनाते हुये कहा कि माँ नर्मदाजी शिव के तप से उगदम होने के चलते उनके आशीर्वाद से माँ नर्मदाजी को 'पापनाशिनी' के रूप में पूजा जाता है। कथा व्यास वीरेन्द्र शास्त्री ने बताया कि कथाओं के अनुसार, भगवान शिव के तांडव नृत्य के दौरान उनके पसीने की बूंदें पृथ्वी पर गिरीं, जिनसे नर्मदा नदी का जन्म हुआ, इसी के कारण उन्हें 'शिव-पुत्री' भी कहा जाता है। भगवान शिव जब मैखल पर्वत पर तपस्या कर रहे थे, तब उनके पसीने की बूंदों से नर्मदा नदी प्रकट हुईं। इस वरदान के कारण नर्मदा नदी के तट पर पाए जाने वाले सभी पत्थर शिवलिंग स्वरूप हैं, क्योंकि वे शिवजी के आशीर्वाद से शिवलिंग बन गए हैं। सभी ऋषि मुनियों ने माँ नर्मदा से प्रार्थना की, तो माँ नर्मदा ने उन्हें वरदान दिया कि वे ऋषि-मुनियों को वर देंगी। माँ नर्मदा विश्व की एक मात्र ऐसी नदी है, जिसकी परिक्रमा हजारों वर्षों से लाखों लोग निरन्तर करते चले आ रहे हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि इसका आयोजन किसी संस्था, पंथ, संप्रदाय अथवा संगठन के द्वारा प्रायोजित नहीं होता, बल्कि अपनी अंतः प्रेरणा से श्रद्धालु जन नर्मदा की परिक्रमा करके अपने आप को धन्य मानते हैं। सही रूप से माँ नर्मदाजी की पैदल परिक्रमा तीन वर्ष, तीन महीने और तेरह दिनों वाली परिक्रमा अपने आप में नर्मदा माहात्म्य का जीता जागता उदाहरण है। आज तक एक भी परिक्रमा वासी ऐसा नहीं मिला जिसने परिक्रमा के दौरान किसी भी प्रकार के कष्ट की बात कही हो, परन्तु आनन्द दायक घटनाओं और चमत्कारों का विवरण अपने अपने ढंग से सुनाई देते है। इस प्रकार से नर्मदा पुराण के दौरान कथा व्यास द्वारा प्रतिदिन माँ नर्मदाजी का अनोखा वर्णन सुनने के लिये भक्तों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जा रही है।

खबर संक्षेप

जिले में धान पंजीयन की तिथि बढ़ाई गई

शहपुरा - डिंडोरी जिले के किसानों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। जिले में धान पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब किसान 6 नवम्बर 2025 तक धान पंजीयन करा सकेंगे।प्रशासन द्वारा यह निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि जिन किसानों का पंजीयन किसी कारणवश शेष रह गया था, वे समय रहते अपना पंजीयन पूरा कर सकें। कृषि विभाग ने सभी कृषक भाइयों से अपील की है कि अंतिम तिथि समाप्त होने से पहले अपने नजदीकी पंजीयन केंद्र पर जाकर धान पंजीयन अवश्य कराएं, जिससे समर्थन मूल्य पर धान विक्रय में किसी प्रकार की समस्या न हो।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन और स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. अनिल कुशराम के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कैलाश प्रसाद लखेरा ने अपने व्याख्यान में कहा कि मध्य प्रदेश राज्य बनने की एक स्वर्णिम इतिहास रही हैं। क्योंकि मध्य प्रदेश का निर्माण स्वतंत्रता के पश्चात 1956 में राज्य पुर्नगठन आयोग की अनुशंसा पर चार प्रांतों को मिला कर एक मध्य प्रदेश राज्य का गठन किया गया था। मध्य प्रदेश राज्य एक समृद्ध विकसित रूप से सांस्कृतिक, धार्मिक, इको पर्यटन, वन खनिज संपदा आदि शैक्षणिक संस्थाओं से परिपूर्ण राज्य हैं। इसके पश्चात सामान्य ज्ञान एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्टॉफ डॉ. सौरभ सामंत, डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी, दीपचंद गुप्ता, जयदीप दुबे एवं छात्र - छात्राएं मौजूद रहे।

डिंडोरी में धूमधाम से मनाया गया देवउठनी एकादशी पर्व

डिंडोरी। शनिवार को पूरे जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ देवउठनी एकादशी का पर्व मनाया गया। इस दिन भगवान शालिग्राम, जो भगवान विष्णु के ही विग्रह रूप हैं, का माता तुलसी के साथ विवाह संपन्न किया गया। इसके लिए श्रद्धालुओं ने गन्ने के मंडप सजाए और पूजा-अर्चना की व्यवस्था की।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु अपनी चार माह की योगनिद्रा से जागते हैं। देवताओं के जागने के साथ ही सभी शुभ कार्यों और विवाह मुहूर्तों की शुरुआत मानी जाती है।पर्व को लेकर शुक्रवार से ही बाजारों में रौनक दिखाई दी। जगह-जगह गन्ने की दुकानें सजीं और पूजा सामग्री की खरीदारी होती रही। मान्यता है कि तुलसी और शालिग्राम की पूजा से विवाह से जुड़े कष्ट, कलह, दुख, पाप और अभाव दूर होते हैं। शालिग्राम–तुलसी विवाह कराने से कन्यादान के समान पुण्य की प्राप्ति होती है।शनिवार को अनेक श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर दिनभर भगवान की आराधना की और शाम को गन्ने के मंडप में भगवान शालिग्राम और माता तुलसी का विधिवत विवाह संपन्न कराया। इस पारंपरिक अनुष्ठान के साथ भक्तों ने मंगलकामना की और देवउठनी एकादशी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया।

विशेष मुस्कान अभियान के तहत स्कूल में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

डिंडोरी। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में विशेष मुस्कान अभियान के तहत स्कूली छात्राओं को अपराधों के प्रति जागरूक करने कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।महीने भर चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह के निर्देश पर उप पुलिस अधीक्षक महिला प्रकोष्ठ शाखा पुरुषोत्तम मरावी के नेतृत्व में शनिवार को मॉडल स्कूल धनुवासागर में नाबालिग बालिकाओं की दस्तयाबी एवं अपराधों की रोकथाम हेतु आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 500 विद्यार्थी एवं प्राचार्य विद्यालय का स्टाफ़ उपस्थित रहा।

वाई झूला हुआ क्षतिग्रस्त मची अफरा-तफरी

डिंडोरी जिला के शहपुरा नगर में आयोजित मेगा ट्रेड फेयर शॉपिंग महोत्सव के दौरान आज शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

शहपुरा

मेला परिसर में लगा हवाई झूला अचानक चलते-चलते ही क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे झूले में सवार बच्चों और उनके परिजनों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार झूला अचानक झटका खाकर रुक गया और उसके कुछ हिस्से टूटते नजर आए। झूले में बैठे बच्चे सहमे और डरे हुए दिखे, वहीं आसपास मौजूद

शहपुरा में मेगा ट्रेड फेयर शॉपिंग महोत्सव के दौरान बड़ा हादसा टला

लोग अफरा-तफरी में झूले के पास भागते नजर आए। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि मेले में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे, और झूले की तकनीकी जांच या सुरक्षा निरीक्षण भी नहीं कराया गया था। घटना के बाद मेला संचालकों की लापरवाही सामने आई है। हालांकि, गनीमत यह रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और सभी बच्चे सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए। नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि मेले में लगाए गए सभी झूलों और उपकरणों की सुरक्षा जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी अनहोनी से बचा जा सके।

आर्यिका संघ का डिंडौरी नगर में भव्य आगमन

डिंडौरी।

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या आर्यिका विमल मति माता जी, निर्मल मति माता जी, निर्वेग मति माता जी, सविनय मति माता जी, शाश्वत मति माता जी एवं निकट मति माता जी का मंडला से पद विहार करते हुए आज डिंडौरी नगर में मंगल आगमन हुआ।सकल जैन समाज द्वारा आर्यिका संघ की भव्य अगवानी की गई, जिसमें श्रद्धालुजनों ने पुष्पवृष्टि एवं जयकारों के साथ आत्मीय स्वागत किया।

इस अवसर पर नगर में धार्मिक उत्साह और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।उल्लेखनीय है कि वर्ष 1992 में पहली बार आर्यिका संघ का डिंडौरी नगर में आगमन हुआ था, जिसके पश्चात 33 वर्षों बाद पुनः यह पावन अवसर प्राप्त हुआ है।आर्यिका संघ का यह पद विहार अमरकंटक एवं कारोपानी होते हुए श्री सम्मेद शिखर तक होगा, जहां वे आगे धर्म साधना में प्रवृत्त होंगी। संपूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल स्वागत नहीं, बल्कि संयम, अहिंसा और आत्मजागरण के संदेश का प्रसार था जो आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की शिक्षाओं का सार है श्रद्धालुजन इस ऐतिहासिक अवसर को डिंडौरी के लिए धार्मिक सौभाग्य का क्षण मानते हुए, आर्यिका संघ के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित कर रहे हैं।

अभियान चलाकर कर्मचारियों के नामांकन संबंधि कार्यवाही पूर्ण

डिंडौरी। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव के निर्देशानुसार शासकीय योजनाओं जैसे छात्रवृत्ति, साईकिल, पुस्तक वितरण, तथा विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था स्थापित करने एवं कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण को लेकर विशेष पहल की गई एवं विशेषकर छात्रवृत्ति कार्य को क्लीन स्वीप (समय सीमा) में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं इसी कडी में प्राचार्य सतीष कुमार धुर्वे ने संकुल केन्द्र प्राचीन डिण्डौरी के अंतर्गत प्राथमिक माध्यमिक एवं हाईस्कूलों को छात्रवृत्ति से संबंधित कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने एवं छात्रवृत्ति से संबंधित अभिलेखों का परीक्षण की कार्यवाही भी संकुल स्तर पर किया गया है इस दौरान प्रधान पाठकों एवं जन शिक्षकों को छात्रवृत्ति से संबंधित कार्य को विशेष अभियान चलाकर पूर्ण करने के तीन दिवस में पूर्ण करने के आदेश दिये गये हैं एवं मध्यान भोजन बच्चों के रूचि अनुसार बनाने के भी निर्देश दिये गये हैं विद्यालय परिषर कों स्वच्छ बनाये रखने, स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराने तथा आत्म निर्भर भारत के अंतर्गत विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियों स्थापित करने के निर्देश दिये एवं आयुक्त आदिवासी विकास मध्य प्रदेश भोपाल के ईएचआरएमएस पोर्टल में सत प्रतिशत शिक्षकों की उपस्थिति के संबंध में निर्देश दिये गये हैं।

बरगांव मोड़ पर भीषण सड़क हादसा

बोलेरो और मालवाहक में भिड़ंत, एक चालक गंभीर रूप से घायल

शहपुरा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मालवाहक वाहन जबलपुर की ओर से डिंडौरी की दिशा में तेज रफ्तार से आ रहा था, जबकि बोलेरो वाहन डिंडौरी से जबलपुर की ओर जा रही थी। बरगांव के पास मोड़ पर अचानक दोनों वाहन आमने-सामने आ गए और टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही शहपुरा थाना प्रभारी अपने दल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कराया। हादसे में मालवाहक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे तत्काल अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। बोलेरो में सवार यात्रियों को भी हल्की चोटें आई हैं।पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच प्रारम्भ कर दी है। घटना तेज रफ्तार और मोड़ पर लापरवाही से वाहन चलाना हादसे का प्रमुख कारण होने का कयास लगाया जा रहा है।स्थानीय लोगों ने बताया कि बरगांव मोड़ पर सड़क संकरी और घुमावदार होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से इस क्षेत्र में चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाने और गति नियंत्रण के उपाय करने की मांग की है।

छात्रावास स्थापना दिवस पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम संपन्न

अमरपुर।

1 नवंबर को मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के साथ ही छात्रावास स्थापना दिवस भी मनाया जाता हैं। इसी तारतम्य में अमरपुर मुख्यालय में संचालित इंग्लिश मीडियम बालक आश्रम में उत्कृष्ट बालक छात्रावास एवं उत्कृष्ट कन्या छात्रावास द्वारा संयुक्त रूप से स्थापना दिवस के सुअवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित छात्रावास दिवस समारोह की अध्यक्षता हन्नू सिंह पट्टा अध्यक्ष जनपद पंचायत अमरपुर द्वारा किया गया। जहां छात्र, छात्राओं द्वारा शिक्षाप्रद गीत, संगीत, नृत्य की सराहनीय प्रस्तुति दी गई। अध्यक्ष द्वारा अपने उद्बोधन में इंग्लिश मीडियम आश्रम का उन्नयन करने की बात कही कि पांचवी के बाद यह छात्र इंग्लिश मीडियम की पढ़ाई कहां करेंगे इसलिए उन्नयन आवश्यक हैं। आयोजित छात्रावास दिवस कार्यक्रम में महेंद्र ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, आकाश नामदेव भाजपा मंडल अध्यक्ष, रामनाथ उद्दे स्थानीय ग्राम पंचायत सरपंच, सुनील मरावी अध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति आश्रम, शिव भजन परस्ते विकासखंड शिक्षा अधिकारी अमरपुर, प्रदीप सुरीन प्राचार्य सी एम राइज, माखन साहू, लियाकत अली, अमृत परस्ते, इंदल यादव इंग्लिश मीडियम बालक आश्रम अधीक्षक, छोटी बाई आर्मो उत्कृष्ट कन्या छात्रावास अधीक्षिका, शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र, छात्राएं सहित पालकगण मौजूद रहे।

देव उठनी एकादशी पर चंडी ब्याह की परंपरा के साथ हुई शुरुआत, रविवार तक चलेगा आयोजन

शहपुरा में दो दिवसीय ऐतिहासिक मड़ई का शुभारंभ

शहपुरा (डिण्डौरी)।

शनिवार को शहपुरा नगर में पारंपरिक दो दिवसीय ऐतिहासिक मड़ई का भव्य शुभारंभ हुआ। देव उठनी एकादशी के पावन अवसर पर आयोजित यह मेला हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धा, उल्लास और लोक संस्कृति की झलक के साथ मनाया जा रहा है। आयोजन का समापन रविवार को होगा।सुबह पूजा-अर्चना और चंडी ब्याह की परंपरा के साथ मड़ई का शुभारंभ किया गया। देवी चंडी की शोभायात्रा नगर भ्रमण पर निकली, जिसमें श्रद्धालु जयघोषों के साथ शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों और शंखध्वनि के बीच पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

व्यापार और लोक संस्कृति का संगम

मड़ई स्थल पर दूर-दराज़ के गांवों से व्यापारी पहुंचे हैं। गन्ना, सिंघाड़ा, मूंगफली, कपड़े, खिलौने और घरेलू वस्तुओं की दुकानों से पूरा मेला स्थल गुलजार है। बच्चों और युवाओं के लिए लगे झूले, चरखी और मनोरंजन स्टॉल मुख्य आकर्षण बने हुए हैं।

अहीर नृत्य रहा आकर्षण का केंद्र

सांस्कृतिक मंच पर लोक कलाकारों ने करमा, सैला, गोंडी और अहीर नृत्य की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। अहीर नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया — नर्तकों की एकरूपता, पारंपरिक वेशभूषा और ढोल-मंजीरे की ताल पर झूमते कदमों ने सभी का ध्यान खींचा।

झूले में आई खराबी से मची अफरातफरी

शाम को मड़ई स्थल पर लगे एक बड़े झूले में अचानक तकनीकी खराबी आने से अफरातफरी की स्थिति बन गई। झूला बीच में रुक गया, जिससे कुछ समय के लिए दहशत फैल गई। कुछ देर की मशक्कत के बाद झूले में फंसे लोगों को सुरक्षित नीचे उतारा गया। राहत की बात यह रही कि कोई भी घायल नहीं हुआ।

खाटू वाले बाबा श्याम का जन्मोत्सव भी मनाया गया

मड़ई के अवसर पर धार्मिक माहौल के बीच खाटू वाले बाबा श्याम का जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। पुरानी टॉकीज़ के पास श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम की भव्य झांकी सजाई और कीर्तन, भजन संध्या का आयोजन किया। पूरे क्षेत्र में "जय श्री श्याम" के जयघोष गूंजते रहे। भक्तों ने प्रसाद वितरण कर बाबा से सुख-समृद्धि की कामना की।रविवार को देवी चंडी की विशेष आरती, प्रसाद वितरण और पारंपरिक झांकी यात्रा के साथ दो दिवसीय मड़ई का समापन होगा। इस बार की मड़ई ने धार्मिक आस्था, लोक संस्कृति और सामाजिक एकता का सुंदर संदेश दिया है।

करंजिया पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पत्नी की हत्या करने वाला आरोपी पति गिरफ्तार

डिंडोरी।

करंजिया पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पत्नी की हत्या के मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। घटना 31 अक्टूबर 2025 की है, जब ग्राम छपरापारा में एक महिला की उसके घर में हत्या की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई।घटनास्थल पर 32 वर्षीय राखी रौतेल का शव घर के अंदर खटिया पर पाया गया। उसके सिर के बाईं ओर गंभीर चोट और घुटनों के नीचे खरोंच के निशान मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डिंडोरी वाहनी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अमित वर्मा और एसडीओपी बजाग विवेक गौतम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण और घटनास्थल की वीडियोग्राफी कराई।जांच के दौरान मृतका की पुत्री और ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला कि मृतका के पति संजय रौतिया (34 वर्ष), निवासी छपरापारा थाना करंजिया, से उसका विवाद हुआ था। पुलिस ने संजय रौतिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने स्वीकार किया कि पैसों को लेकर हुए विवाद के दौरान उसने लकड़ी से हमला कर पत्नी की हत्या कर दी।
पुलिस ने आरोपी से हत्या में प्रयुक्त लकड़ी बरामद कर उसे गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया। इस प्रकरण के त्वरित और सफल अन्वेषण में एसडीओपी बजाग विवेक गौतम, थाना प्रभारी करंजिया निरीक्षक नरेन्द्र पाल, उप निरीक्षक शारदा प्रसाद बनोटे, सउनि दादूलाल मरावी, प्रधान आरक्षक दिगम्बर उइके, माखन, जगन सिंह मार्को, आरक्षक सतेन्द्र उइके, प्रहलाद और मुकेश उइके की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बाल विवाह रोकथाम हेतु जनजागरूकता अभियान डिंडौरी जिले में व्यापक कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदोरिया के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले के सभी 1946 आंगनवाड़ी केंद्रों में बाल विवाह रोकथाम के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया।अभियान के अंतर्गत बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित जानकारी आंगनवाड़ी केंद्रों और ग्राम पंचायतों में दी गई। कार्यक्रमों के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने हितग्राहियों को बाल विवाह के दुष्परिणाम, इसके कानूनी प्रावधानों तथा बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।ग्राम स्तर पर दीवारों पर सूचनात्मक नारे और संदेश लिखे गए, जिनसे आमजन में बाल विवाह के प्रति चेतना और जागरूकता बढ़ी।कार्यक्रमों में शामिल हितग्राहियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए यह संकल्प लिया कि वे अपने ग्राम में किसी भी प्रकार का बाल विवाह नहीं होने देंगे और इस सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने में सक्रिय भूमिका निभाएँगे।महिला एवं बाल विकास विभाग, डिंडौरी द्वारा संचालित इस पहल का उद्देश्य समाज में जागरूकता बढ़ाना, बालिकाओं को सुरक्षित, शिक्षित एवं सशक्त बनाना तथा एक बाल विवाह मुक्त भारत की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, रविवार 2 नवंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

धूमधाम से मनाई गई नामदेव जयंती

तेंदूखेड़ा। शनिवार को संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की जन्म जयंती महोत्सव नामदेव समाज द्वारा धूमधाम से मनाया गया।इस मौके पर सभी स्वजातीय बंधुओं द्वारा अपने अपने निवास पर ही विधी विधान से पूजन अर्चन किया। सुंदरकांड पाठ के साथ प्रसाद वितरण किया गया।

लिलवानी मंदिर में हुआ पूजन अर्चन

जिले के एक मात्र संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज का मंदिर समाज के प्रतिष्ठित भोले नामदेव द्वारा विशाल मंदिर निर्माण करवाया गया था जिसमें विट्ठल भगवान की भी प्राण प्रतिष्ठा की गई है। जयंती महोत्सव पर समाज के सभी वर्गों के द्वारा पहुंचकर विधि-विधान से हवन पूजन अर्चन किया गया। तथा प्रसादी वितरण की गई।

शोकाकुल परिवारों में पहुंचे पूर्व विधायक संजय शर्मा

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक संजय शर्मा क्षेत्र के विभिन्न शोकाकुल परिवारों में पहुंचे और अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवारों को ढांढस बंधाया। ग्राम इमझिरा में ग्राम पंचायत ऊमरपानी में पदस्थ रहे मिलनसार कर्मठ सचिव मनोज कन्हौआ के असमय निधन पर मनोज के घर पहुंच कर उनके परिजनों से मिले और अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का कार्यक्रम शामिल हुए मंत्री द्वय

नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह की विशेष मौजूदगी में शनिवार एक नवंबर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस का कार्यक्रम स्टेडियम ग्राउंड नरसिंहपुर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान जन-गण-मन. के साथ हुआ। तदुपरांत स्कूली छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महारानी लक्ष्मी बाई कउमावि, सांदिपनी विद्यालय और जनजातीय बालिका छात्रावास की छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का समापन मध्यप्रदेश गान के साथ हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश, पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, रामसनेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक और विद्यार्थी मौजूद थे। मंत्रीद्वय और अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों के द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। आयोजित प्रदर्शनियों में शासन के नवाचार, जनकल्याणकारी योजनाएं, कार्यक्रम आदि को प्रदर्शित किया गया।

परंपरागत ढंग से मनाई गई देव उठनी ग्यारस

तुलसी विवाह के साथ प्रारंभ होंगे मांगलिक कार्य

हरिभूमि न्यूज - नरसिहपुर। शनिवार को संपूर्ण जिले में परंपरागत ढंग से देवउठनी एकादशी मनाई गई। दकादशी के पर्व पर बाजरों पर चहल पहल बनी रही और लोग बड़े उत्साह के साथ खरीददारी करते नजर आये। चार माह तक चिर निद्रा में लीन रहे देव शनिवार को देवउठनी ग्यारस पर जागे तो हर ओर पूजा-पाठ के साथ मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो गयी। लोगों ने शाम के वक्त घर में गन्ने का मंडप बनाकर उसके नीचे भगवान श्री शालिग्राम व मां तुलसी का पूजन कर अपनी मनोकामनाएं व्यक्त कीं। एकादशी पर्व पर देर रात तक पटाखों व आतिशबाजी का सिलसिला जारी रहा।

गन्ने से सजे रहे बाजार

बाजार में सुबह से ही शहर के तीनों प्रमुख मार्ग पूजन सामग्री व विक्रय के लिए आये गन्नों से अटे रहे। देश का प्रमुख गन्ना उत्पादक जिला होने के कारण इस दिन बड़ी संख्या में किसान गन्ना बेचने के लिए शहर लेकर आते हैं। बाजार में हर तरह के गन्ने उपलब्ध रहे। सुबह के वक्त अच्छा गन्ना 25 से 30 रुपये प्रति नग तक बिका। वहीं कम मोटाई व लंबाई के गन्ने का दाम भी 20 से 25 रुपये से कम नही रहा। शाम होते होते गन्ने की छटाई के साथ ही उनके दाम भी गिरने लगे और 10 से 20 रूपए में एक गन्ना बेचा जाने लगा। ग्यारस में लोग 5 गानों का एक मंडप तैयार कर पूजन करते हैं।

लगाई गई अनेको दुकान

बाजार में अनगिनत स्थानों पर बिकती मिली अन्य पूजन सामग्री में जहां फूल और मालाओं के दामों में गिरावट मिली वहीं छीताफल व सिंघाड़ा के दाम अधिक रहे। फूलों की अच्छी आवक होने से फुटकर में गेंदा के फूलों के दाम 40 से 60 रूपए प्रति किलो तक रहे। वहीं 20 से 30 रूपए में लोग गेंदों के फूल की अच्छी माला घर लेकर गये। बरहटा से आने वाले सीताफल व सिंघाड़ा के दामों में भले ही इजाफा रहा लेकिन लोगों ने इन मौसमी फलों की जमकर खरीददारी की। बाजार में 10 रूपये से लेकर 20 रूपए प्रति नग तक का छीताफल उपलब्ध था। वहीं सिंघाड़ा कहीं 40 रूपये के 25 तो कहीं 30 बेचे जा रहे थे। इस दिन भगवान को बेर, भाजी, आंवला भी चढ़ाए जाते हैं, लिहाजा पूजन सामग्री में यह भी शामिल रहे। चना की भाजी के दाम पिछले दिनों की तुलना में काफी कम मिले। सामान्य बाजार में चना भाजी 40 से 50 रूपये पाव तक बिकी।

धूमधाम से संपन्न हुआ तुलसी - शालिग्राम का विवाह

प्रबोधनी एकादशी पर जिले मे अनेकों स्थानों पर भगवान शालिग्राम व माता तुलसी का विवाह किया गया। तुलसी विवाह के आयोजनों के तैयारियां महिलाओं द्वारा बीते तीन चार दिन से प्रारंभ कर दी गई। तुलसी विवाह के साथ विाह आदि के मांगलिका कार्य प्रारंभ हो सकेंगे। भगवान शालिग्राम एवं तुलसी विवाह का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। एक पक्ष भगवान शालिग्राम की पूजन अर्चन कर बारात लेकर वधू पक्ष तुलसी

माता के विवाह स्थल पर पहुंचते हैं, जहां पर पूरी विधि विधान से वैवाहिक पद्धति संपन्न की जाती है। उक्त आयोजन में बड़ी संख्या में मातृशक्ति का सहयोग रहा है। विवाह संपन्न करा रहे पंडित जी ने बताया कि हमारे हिंदू धर्म मैं आज का दिन बड़ा शुभ दिन होता है भगवान विष्णु जो देवसयनी ग्यारस मे पाताल लोक से आज पृथ्वी पर वापिस आते हैं सभी मांगलिक कार्य प्रारंभ होते है।

मढ़ई का हुआ आयोजन

नगर के गुलाब चैराहे क्षेत्र मे मढ़ई का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी धूमधाम के साथ लोगो द्वारा खरीदी विक्री की गई वही ग्वाला नृत्य देखने के लिये लोगों की अनवरत भीड़ बनी रही लोगों द्वारा जमकर मढ़ई का आनंद उठाया गया। ज्ञात हो कि दीपावली से क्षेत्र में मढ़ई का आयोजन प्रारंभ हो जाता जो पूर्णिमा तक अनवरत चलता रहा है। इसी क्रम नगर में भी मढ़ई का आयोजन किया गया। आयोजनकर्ता द्वारा बताया गया मढ़ई के आयोजन धार्मिक व सांस्कृतिक माहौल निर्मित होता है। वर्तमान पीढ़ी इन आयोजनों को भूलती जा रही है।

बरहटा स्कूल में मनाया गया मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शनिवार को सम्पूर्ण जिले मे मध्य प्रदेश के 70 वें स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। विगत दिवस सेवानिवृत्त हुए हिंदी व्याख्याता पी एस किन्कर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह की औपचारिक शुरुआत की। इसके बाद राष्ट्रगान, सलामी और मध्यप्रदेश गान बैंड की धुनों के बीच कार्यक्रम आगे बढ़ा।

विद्यालय प्राचार्य शैलेन्द्र बक्शी ने अपने उद्बोधन में प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, विकास यात्रा और प्रदेश की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी विविधता, संस्कृति और विकास कार्यों के कारण आज देश में अग्रणी राज्य बन चुका है। इस अवसर पर विद्यालय में मध्यप्रदेश प्रश्नोत्तरी प्रतियोगियोता, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य प्रस्तुतियों में विद्यालय में आयोजित की गई। इनमें विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश की झलक की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने मां तुझे सलाम पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं जनजातीय कलाकारों ने गोंडी नृत्य और लोकगीतों से वातावरण को उत्सवमय बना दिया। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकों की गरिमामई उपस्थिति रही।

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए मंत्री श्री पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल शनिवार को इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी कार्यालय नरसिंहपुर में नव निर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि रेडक्रास सोसायटी अंर्तराष्ट्रीय संस्था है, जो जनकल्याण का कार्य कर रही है। जिले में रेडक्रास सोसायटी के लिए वित्तीय प्रबंधन में कभी भी कमी नहीं होने दी जाएगी, यह हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि रेडक्रास सोसायटी हमारी स्वस्थ प्रणाली को नई दिशा, दृष्टि और प्रेरणा भी प्रदान करती है। रेडक्रास को वित्तीय स्वावलंबन देना, उसकी आत्मनिर्भरता और सक्षमता तीनों जरूरी हैं, इसके लिए रोडमैप स्पष्ट होना चाहिए। मंत्री श्री पटेल ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, रामसनेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस समीपस्थ ग्राम रम्पुरा में ग्राम वासियों द्वारा सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती राष्ट्रीय एकता अखंडता के रुप में मनाई गई। उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।श्रद्धेय लौह पुरुष के महान व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। जीवन कर्तव्य सेवा और राष्ट्रभक्ति का अद्वितीय उदाहरण है। वे न केवल हमारे पहले उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे। बल्कि आधुनिक भारत के वास्तुकार भी थे जिन्होंने प्रशासनिक कुशलता और दृढ़ नेतृत्व से लोकतंत्र की नींव को सशक्त किया। इस अवसर पर संतोष पटेल राजीव अग्रवाल डालचंद पटैल पुरुषोत्तम पठ्या श्याम सिंह ठाकुर अरविन्द पाराशर लक्ष्मी प्रसाद कुर्मी तुलाराम जीवनलाल गौतम संतोष अजय तेजराम मंगल डेलन लक्ष्मी नारायण महेश रामराज कैलाश दामोदर रामगोपाल हरिशंकर ब्रजेश मुकेश रामजी देवराज मोनू संजय सौरभ समस्त कुर्मी पटेल ग्रामीण जन एवं महिलाये भी उपस्थित रही।

धूमधाम से मनाई गई प्रभात फेरी की वर्षगांठ

जगह-जगह हुआ जोरदार स्वागत

तेंदूखेड़ा। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर समीपी ग्राम इमझिरा में श्री राम जानकी प्रभात फेरी मंडल की स्थापना के 26 वीं वर्षगांठ पर ग्रामवासियों ने जोर दार स्वागत किया गया। ग्राम वासियों द्वारा अपने अपने घरों के सामने चौक लगाकर मंगल दीप जलाकर भव्य स्वागत किया गया। एवं आतिशबाजी भी की गई।ग्राम के समस्त देवालयों पर विधि विधान के साथ पूजन किया गया। प्रभातफेरी निकलने के दौरान ग्राम में दिवाली जैसा नजारा दिखाई दिया। राम धुन मंडल के सभी सदस्यों का तिलक लगाकर पुष्पहारों से स्वागत किया गया। प्रातःकाल प्रभातफेरी की शुरूआत मां कंकाली देवी मठ से हुई जो भ्रमण करती हुई राधा कृष्ण चौक होते हुए बस स्टैंड से गुजरते हुए खेरापति मढिया से भ्रमण के बाद शंकर घाट पहुंची जहां समापन उपरांत प्रसाद वितरण किया गया। लगातार 26 वर्षों से प्रति दिवस मंडल के सदस्यों द्वारा संगीतमय मंगल ध्वनि के बीच संपूर्ण ग्राम का वातावरण धार्मिक हो जाता है। मंडल के वरिष्ठ पंडित भोलेशंकर कन्हौआ ने बताया पिछले 26 वर्षों से यह प्रकिया भगवान की कृपा से संभव हो पा रही है। ग्राम में धार्मिक कार्य वातावरण बना रहे इसी उद्देश्य को लेकर सदस्यों के सहयोग से यह कार्य चल रहा है। सभी वर्गों का इसी तरह से सहयोग मिलेगा तो आगे भी और विशाल रूप में संचालित होता रहेगा।

वरिष्ठों ने किया मंडल का जोरदार स्वागत

रामजानकी प्रभात फेरी मंडल का बरिया चौक पर वरिष्ठ पंडित देवीदयाल तिवारी कुलदीप कन्हौआ पूर्व सरपंच तेजराम पंडा द्वारा मंडली के सभी सदस्यों का रोली तिलक व पुष्पमाला पहनाकर शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया। शोभायात्रा में ग्राम से वरिष्ठ मूलचंद कन्हौआ सरपंच दीवान राघवेंद्र सिंह कैलाश देवलिया विजय पुरोहित सालकराम सोनी नर्मदाप्रसाद तिवारी शिवनारायण श्रीवास्तव सेवक राम ठाकुर मुन्नालाल धानक देवेंद्र पंडा रामकिशोर सोनी उदयराम धानक ज्ञानी ठाकुर सतीश पुरोहित अजय शर्मा कमलकांत पुरोहित केशव पुरोहित प्रेमनारायण प्रजापति प्रियंक देवलिया रामचरण पंडा हल्के मुंशी सहित बड़ी संख्या में ग्राम के सभी धर्मावलंबी बंधु उपस्थित रहे।